Set-2

Name of Course : BA (Prog.) DSC

Semester : III

Scheme/Mode of Examination : CBCS

Name of Paper : Principles of Macroeconomics-I

UPC/Subject code : 62274301 - OC

Duration : 3 Hours

Note: Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any four questions (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

All questions carry equal marks. (सभी प्रश्न समान अंक के हैं)

Q1. (i) Do you think that there is need for a separate study of macroeconomics? If so, explain your arguments.

(ii) Explain the statement that in an open economy, the sum of the private investment, government spending and net exports must equal to sum of saving and taxes.

Scanned with CamScanner

Q2. (i) Explain the income method of estimating national income.

(ii) Discuss the limitations of GDP-concept.

Q3. (i) What are main determinants of aggregate consumption?

(ii) What is "paradox of thrift" Explain and illustrate the impact of household becoming more thrifty on national income.

Q4. (i) Explain the multiplier effect of equal changes in government expenditure and taxes on equilibrium level of output in an economy with the help of an example

(ii) Prove that the open economy multiplier is the reciprocal of the sum of marginal propensity to save and marginal propensity to import.

Q5. (i) Why does the speculative demand for money change with the change in interest rate? Explain, in this regard, the relationship between the interest rate and bond price.

Scanned with CamScanner

(ii) What would happen to money market equilibrium if there is change in transaction demand for money?

Q6. What is the high power money? Explain the process of credit creation by commercial banks in multiple banking system.

Scanned with CamScanner

Set-2

Name of Course : BA (Prog.) DSC

Semester : III

Scheme/Mode of Examination : CBCS

Name of Paper : Principles of Macroeconomics-I

UPC/Subject code: 62274301_OC

Q 1. (i) क्या आप सोचते हैं कि समष्टि अर्थशास्त्र के पृथक अध्ययन की आवश्यकता है? यदि ऐसा है तो अपने तर्कों की व्याख्या करें।

(ii) कथन की व्याख्या कीजिए कि एक खुली अर्थव्यवस्था में निजी निवेश, सरकारी व्यय तथा विशुद्ध-निर्यातों का योग बचत तथा करों के योग के बराबर होता है।

Q2. (i) राष्ट्रीय आय आकलन की आय विधि का वर्णन कीजिए।

(ii) सकल घरेलू उत्पाद अवधारणा की सीमाओं की चर्चा कीजिए।

Q3. (i) समग्र उपभोग के प्रमुख निर्धारक क्या हैं?

(ii) "बचत का विरोधाभास" क्या है? राष्ट्रीय आय पर घरेलू क्षेत्र द्वारा अधिक बचत करने वाले हठ के प्रभाव को समझाएं तथा स्पष्ट करें।

Scanned with CamScanner

Q.4. (i) एक अर्थव्यवस्था में उत्पादन के संतुलन स्तर पर सरकारी खर्च एवं करों में समान परिवर्तन के गुणक प्रभाव का उदाहरण की सहायता से वर्णन कीजिए।

(ii) सिद्ध कीजिए कि खुली अर्थव्यवस्था गुणक उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति तथा आयात की सीमान्त प्रवृत्ति के योग के व्युत्क्रम होता है।

Q 5. (i) ब्याज दर में परिवर्तन के साथ मुद्रा की सट्टा मांग क्यों बदल जाती है? इस सन्दर्भ में ब्याज दर तथा बॉण्ड कीमत के मध्य सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

(ii) यदि मुद्रा की लेनदेन मांग में परिवर्तन होता है तो मुद्रा बाजार संतुलन पर क्या प्रभाव होगा?

Q 6. उच्च शक्ति मुद्रा क्या है? बहु बैंकिंग प्रणाली के अन्तर्गत वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख सृजन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner